

This question paper contains 4 printed pages]

7009

LL.B. (Second Year) EXAMINATION, 2015

(Three Year Course)

ALTERNATIVE DISPUTE RESOLUTION (ADR)

Paper IX

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

Part A (खण्ड 'अ') [5×4=20]

Question No. 1 is compulsory (Word limit 150 words).

All questions carry equal marks.

प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है । (शब्द सीमा 150 शब्द) ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part B (खण्ड 'ब') [4×15=60]

Attempt any four questions (Word limit 300 words).

All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए (शब्द सीमा 300 शब्द) ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

## Part A (खण्ड 'अ')

1. Write short notes on the following :

- (a) Arbitral Tribunal
- (b) Settlement Agreement
- (c) Foreign Award
- (d) Role of Conciliator in Conciliation proceedings
- (e) Jurisdiction of Lok Adalats.

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (क) माध्यस्थम अधिकरण
- (ख) निपटारा करार
- (ग) विदेशी पंचाट
- (घ) सुलह कार्यवाहियों में सुलहकर्ता की भूमिका
- (ङ) लोक अदालत का कार्यक्षेत्र ।

## Part B (खण्ड 'ब')

2. Alternate Dispute Settlement System is gaining popularity in India. State the reasons of it. What are the forums available under this system in India ?

“भारत में वैकल्पिक विवाद निपटान व्यवस्था बहुत ही लोकप्रिय हो रही है ।” इसके कारण बताइये । भारत में इस प्रणाली के अन्तर्गत कौन-कौनसे साधन उपलब्ध हैं ?

3. What is Arbitration ? Discuss its various kinds.

माध्यस्थम क्या है ? इसके विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए ।

4. What are the ways in which Arbitral proceedings are terminated ?

किन-किन तरीकों से माध्यस्थम कार्यवाही का समापन हो सकता है ?

5. Explain the law and procedure relating to enforcement of arbitral awards.

माध्यस्थम पंचाट से सम्बन्धित विधि एवं प्रक्रिया का विवेचन कीजिये ।

6. What is meant by "conciliation" ? State the procedure of conciliation.

सुलह से क्या तात्पर्य है ? सुलह की प्रक्रिया के बारे में बताइये ।

7. Write an essay regarding organisation and powers of Lok Adalats.

लोक अदालतों के गठन एवं उनकी शक्तियों के बारे में एक निबन्ध लिखिये ।

8. State the facts, decision and the principles of law propounded by the court in Gotan Construction and Fisheries Ltd. Vs. National Bank of Agriculture and Development, AIR 2000, S.C. 3018.

गोटन कन्स्ट्रक्शन एण्ड फिशरीज लि. बनाम नेशनल बैंक ऑफ ऐग्रिकल्चर एण्ड डेवलपमेन्ट, AIR 2000, S.C. 3018 के वाद के तथ्य, निर्णय तथा न्यायालय द्वारा प्रतिपादित विधि सिद्धान्तों के बारे में बताइये ।